झाँसी में बनेंगे सेना के हथियार और सुरक्षा कवच

फाइल फोटो

झाँसी : यूपीडीआइसी (उत्तर प्रदेश डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर) के तहत झाँसी रक्षा क्षेत्र में बड़े निवेशकों को लुभाने में कामयाब होता दिख रहा है। इसे भारत के रक्षा उद्योग में 'मेक इन इण्डिया' पहल के साथ स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए बदलाव के तौर पर देखा जा रहा है। यहाँ अब तक 8,100 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश मिल चुके हैं और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की कम्पनि ने यूनिट लगाने में दिलचस्पी दिखायी है।

यूपीडा (उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण) के नोडल में राज्य की विभिन्न एजेंसी के साथ मिलकर बुन्देलखण्ड क्षेत्र के विकास की गाथा लिखी जा रही है। यह कॉरिडोर झाँसी के साथ ही लखनऊ, कानपुर, आगरा, अलीगढ़ और चित्रकूट जैसे 6 प्रमुख नोड्स से जुड़ा होने के साथ दिल्ली-कोलकाता से जोड़ने वाले स्वर्णिम चतुर्भुज एक्सप्रेस-वे के भी समीप है। झाँसी यूपीडीआइसी के एक प्रमुख नोड के रूप में रक्षा उत्पादन का केन्द्र बन रहा है। 9 दिसम्बर तक की यूपीडा की रिपोर्ट के अनुसार यहाँ 8,100 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इसमें भारत डाइनामिक्स लिमिटेड ने मिसाइल और रक्षा सम्बन्धी उपकरण निर्माण के लिए 400 करोड़ रुपये, ग्लोबल एंजिनियर्स लिमिटेड ने नाइट्रो ग्लिसरीन के लिए 2,300 करोड़ रुपये का निवेश किया है। फेरेटेरो इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड ने एअर क्राफ्ट अरेस्टर बैरियर नेट्स निर्माण इकाई के लिए 350 करोड़ रुपये और सवर्ण इन्फ्राटेल प्राइवेट लिमिटेड ने ईएमसी शैल्टर तथा सुरक्षा टावर बनाने के लिए 3 करोड़ रुपये का निवेशकिया है। डिफेंस कॉरिडोर के लिए झाँसी में 1,087 हेक्टेयर अधिगृहीत भूमि में से 415.59 हेक्टेयर को रक्षा इकाइयों के लिए आवण्टित किया जा चुका है।

इन कम्पनि ने भी किया निवेश

कल्याणी स्ट्रेटेजिक सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, कल्याण डेफटेक एलएलपी (ड्रोन निर्माण और पहचान प्रणालियों पर केन्द्रित), नेक्स्टरस्ट्रैट टेक विजन एलएलपी, स्पेसफील्ड प्राइवेट लिमिटेड (ठोस प्रणोदकों के लिए) और ग्लोबल टेक्नोक्रेट्स प्राइवेट लिमिटेड (मानव रहित जमीनी वाहनों, ड्रोन और दहनशील कारतूस मामलों के लिए) निवेश किया है। भारत सरकार का एमएसएमई इस क्षेत्र में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए सामान्य सुविधा केन्द्र पर 182 करोड़ रुपये निवेश करने जा रहा है। सेकिंगटन इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड हथियार, गोला-बारूद और पुर्जों की निर्माण इकाई स्थापित करने के लिए 120 करोड़ रुपये का निवेश कर रही है, जबकि शान आर्म्स इण्डस्ट्रीज 100 करोड़ रुपये की लागत से इकाई स्थापित करेगी।

निवेशकों ने प्रारम्भ किया 8,100 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट पर काम

अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की कम्पनि ने किया है निवेश

मिसाइल, नाइट्रो ग्लिसरीन का भी होगा निर्माण

यह कम्पनि लगाएंगी यूनिट

ऑप्टिक इलेक्ट्रॉनिक इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड 800 करोड़ रुपये से छोटे हथियारों के लिए केन्द्रीय अनुसन्धान केन्द्र, टाटा टेक्नॉलिजि 500 करोड़ रुपये में कॉमन फैसिलिटी सेण्टर, पावक इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड 460 करोड़ रुपये में हथियार और गोला-बारूद के साथ टेस्ट फायरिंग रेंज, नवभारत डिफेंस सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड टीएनटी, एनसी-एनजी, आरडीएक्स और अन्य प्राथमिक विस्फोटकों के उत्पादन के लिए एक सुविधा बनाने के लिए 322 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। डब्ल्यूबी इलेक्ट्रॉनिक्स 209 करोड़ रुपये के निवेश करने जा रही है, जबकि वेरीविन म्यूनिशन्स प्राइवेट लिमिटेड 208 करोड़ रुपये निवेश कर रहा है।

इन्होंने कहा

'झाँसी नोड, उत्तर प्रदेश डिफेन्स इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर का महत्वपूर्ण हिस्सा बनकर न केवल बुन्देलखण्ड क्षेत्र के आर्थिक विकास को बढ़ावा दे रहा है, बल्कि भारत की रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को भी साकार कर रहा है। यह मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ के 1 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को गति दे रहा है।'

अभिषेक प्रकाश
मुख्य कार्यपालक अधिकारी
इन्वेस्ट यूपी